कवि-परिचय

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म 1532 ई. में उत्तर प्रदेश के बाँदा ज़िले के राजापुर गाँव में हुआ था। कुछ विद्वान् इनका जन्म स्थान सोरो (ज़िला एटा) भी मानते हैं। बचपन में ही इनके माता-पिता ने इनका परित्याग कर दिया था।

तुलसीदास जी मानव मूल्यों के उपासक कवि थे। अपने गुरु की कृपा से इन्हें रामभक्ति का मार्ग मिला। अपनी काव्य प्रतिभा के बल पर इसी मार्ग का अनुसरण करते हुए तुलसी दास ने अपनी लेखनी के द्वारा अपने आराध्य देव मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम के माध्यम से नीति, स्नेह, शील, विनय, त्याग जैसे उदात्त आदर्शों को प्रतिष्ठित किया।

रामभक्ति पर आधारित रामचरितमानस इनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है। कवितावली, गीतावली, दोहावली, कृष्णगीतावली, विनयपत्रिका इत्यादि इनकी महत्त्वपूर्ण रचनाएँ हैं।

अवधी के साथ-साथ ब्रजभाषा पर भी इनका समान अधिकार था। 1623 ई. में काशी में प्रभु राम के इस अनन्य भक्त का देहावसान हो गया।